आइआइएम

## एचआर कॉनक्लेव में मार्स एंड मैक्लेन के सीएचआरओ दीपायन सेनशर्मा बोले

# सफलता के लिए 'क्या' नहीं 'क्यूं' पर ध्यान केंद्रित करें

■ **समागम में वक्ताओं ने छात्रों को सफल बनाने के मूलमंत्र दिये**

लाइफ रिपोर्टर @ रांची
life.ranchi@prabhatkhabar.in

**वर्तमान** समय में नंबर मायने नहीं रखता. काम के प्रति लगन ही उसे बेहतर करने में मदद करती है. बदलते समय में तकनीक काम को आसान बनाने का एक बेहतर विकल्प है. सफल बनने के लिए 'क्या' की बजाय 'क्यूं' को ध्यान में रख कर काम करें. इससे विजन क्लियर होगा और सफलता मिलने के चांस बढ़ जायेंगे. यह बातें रविवार को आइआइएम रांची के एचआर कॉनक्लेव में मार्स एंड मैक्लेन के सीएचआरओ दीपायन सेनशर्मा ने कही. वे रांची यूनिवर्सिटी के आर्यभट्ट सभागार में आइआइएम के विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे.

उन्होंने कहा कि ऑफिस में काम के दौरान दूसरे क्या कर रहे हैं व क्या नहीं, इसे जानने में समय न गंवायें. इसके बजाये खुद के काम को कैसे बेहतर कर सकते हैं, यह सोच जागृत करें. यह आपके लिए लाभदायक होगा. खुद बेहतर काम कर कोई भी व्यक्ति नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर सकता है. इसके लिए काम के दौरान लगातार खुद को प्रेरित करने की जरूरत है.

### सीखने का जज्बा हमेशा बरकरार रखें

दीपायन ने विद्यार्थियों से कहा कि बिजनेस स्कूल से निकल कर नौकरी करना आम बात है. नौकरी में खुश हैं या नहीं, इसका जवाब खोजना जरूरी है. काम में मन लगा रहे और बेहतर काम का संचालन हो, इसके लिए सीखने के जज्बे को हमेशा बरकरार रखना होगा. लगातार सीखने से काम की गुणवत्ता में बदलाव आयेगा. साथ ही कार्यस्थल पर दूसरों से अलग हट कर खुद को प्रस्तुत करने में आसानी होगी. उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि सफल नेतृत्वकर्ता बने रहने के लिए परिवर्तन को ग्रहण करते हुए सामाजिक बुद्धिमता से अपने निर्णय लें.

कॉन्क्लेव में मौजूद छात्र व अतिथि.

**आर्थिक मजबूती के लिए रिसाइकल जरूरी :** समागम के दौरान विद्यार्थियों और वक्ताओं के बीच इंटरेक्टिव सेशन का आयोजन हुआ. इसमें विद्यार्थियों ने संस्थान को आर्थिक मजबूती देने के लिए रिसाइकल करना जरूरी है या नहीं सहित कई सवाल पूछे. वक्ताओं ने संस्थान को आर्थिक रूप से मजबूत बनाये रखने के लिए प्रोडक्ट को रिसाइकल करने की बात कही. बताया कि उत्पाद के बर्बाद होने से संस्थान को नुकसान होता है, जबकि उसे समय रहते रिसाइकल कर लेने से आर्थिक लाभ संभावित है. ऐसे में रिसाइकल आर्थिक मजबूती को बनाये रखने का सशक्त माध्यम भी बन सकता है. इसके अलावा सेशन के दौरान डॉ देबी सैनी, सुजितेश दास, रश्मि मानशर्मानी, अनिल कुमार मिश्रा, चंद्रशेखर देशमुख, सत्यजीत मोहंती व रमेश कुमार ने संबोधित करते हुए सफल प्रबंधक बनने के टिप्स दिये.

**संस्थान को सफल बनाये रखने के लिए तीन चीजें जरूरी :** समागम के दौरान वक्ताओं ने संस्थान को सफल बनाये रखने के मूलमंत्र दिये. ऐसे में व्यावसायिक डोमेन को बरकरार रखने के लिए वित्त, संचालन और रणनीति में नये विकल्प और तकनीक को अपना कर आगे बढ़ने की बात कही.

Prabhat Khabar, 11.11.2019, Pg. 17